पढ़ते-पढ़ते नौकरी

सैली फरहत

कॉलेज के छात्र ग्रेजुएट बनने के लिए अध्ययन करने के साथ ही नौकरी कर सकते हैं या वे ऐसे प्रबंध प्रशिक्षु कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं जो उन्हें इस तरह के अनुभव के लिए प्रशिक्षित करे।

सबरीना स्मिथ जब प्रशांत तट के करीब स्थित वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी में सीनियर के बतौर पढ़ रही थीं तभी उनका इरादा एक बड़ी होटल शृंखला के लिए प्रबंधक के रूप में काम करने का था। होटल-प्रबंधन कार्यक्रम के कई छात्रों के साथ वह शुरुआती नौकरियों के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही थीं। आखिर में उन्हें 891 कमरों वाले सिएटल होटल में प्रबंध प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिरकत करने का मौका मिला।

सबरीना स्मिथ कॉलेज छात्रों के उन पांच-दस प्रतिशत छात्रों का हिस्सा हैं जो इस तरह के कार्यक्रमों में शिरकत करते हैं। कंपनियां छात्रों को इन आशाओं के साथ लेती हैं कि उन्हें सफल अधिकारी बनाना मुमकिन होगा। अब 24 साल की हो चुकी सबरीना कहती हैं, ''अगर आप किसी कंपनी के बारे में पक्के तौर पर नहीं जानते या आप नहीं जानते कि आपको वास्तव में अपनी नौकरी में क्या करना होगा तो प्रशिक्षण कार्यक्रम बढ़िया रहते हैं। इससे आप अपने कॅरिअर के बारे में बेहतर फैसला कर पाते हैं।''

सामान्य तौर पर प्रबंध प्रशिक्षण कार्यक्रम उन संस्थानों के लिए अच्छे रहते हैं जो अगली पीढ़ी में अगुवाई करने वालों को भर्ती करने की एक कुशल और प्रभावशाली रणनीति चाहती हैं। लेकिन इस तरह के प्रबंध प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने वाले संस्थानों की संख्या ज्यादा नहीं है। कालेजरिक्रूटर डॉट कॉम के अध्यक्ष और संस्थापक स्टीवन रोथबर्ग कहते हैं, ''यह निश्चित तौर पर काम करने का सबसे सामान्य तरीका नहीं है।'' वह रेंट ए कार और रेडियो शैक में कर्मचारी भर्ती करने वालों और प्रबंधकों के साथ काम करते हैं।

यह कार्यक्रम आमतौर पर इस तरह से संचालित होता है। प्रक्षिशु कंपनी के विभिन्न विभागों में काम करते हैं, जैसे स्मिथ ने किया। उन्हें अपने क्षेत्र का शुरुआती औसतन वेतन दिया जाता है। कभी-कभी उन्हें शीर्ष प्रबंधकों द्वारा कक्षाओं में पढ़ाया जाता है। एक या दो साल के बाद कार्यक्रम खत्म हो जाता है और वे या तो स्थायी तौर पर वहीं रुक जाते हैं या दूसरी कंपनी में चले जाते हैं।

क्रिस्टन वाटरेट्ट © प. पी. डब्ल्यू. डब्ल्यू. पी.

प्रतिस्पर्धा

वेस्टिन में स्मिथ के लिए एक उस्ताद तय किया गया और उन्होंने तीन हफ्ते हाउस कीपिंग, फिर मेहमान सेवाओं और बाद में राजस्व विभाग में बिताए। छह महीनों के इस कार्यक्रम के बाद अगस्त में वह समूह की लेखा समन्वयक के रुप में भर्ती कर ली गईं। वह दरबानों, बेलमैन और अन्य लोगों के काम की देखरेख करती हैं।

वेतन हासिल करते हुए प्रशिक्षण और अनुभव के इस मिश्रण से ये कार्यक्रम बहुत प्रतिस्पर्धी बन जाते हैं- खास तौर पर होटल-रेस्तरां प्रबंधन को मुख्य विषय के तौर पर पढ़ रहे छात्रों में। वेस्टिन सिएटल होटल के मानव संसाधन निदेशक जय लारसन कहते हैं, ''मैं इन रिक्तियों के लिए छात्रों का साक्षात्कार हर साल करता हूं और छात्र इन अवसरों को हासिल करने के लिए बेताब रहते हैं।'' यह होटल स्टारवुड शृंखला की मिल्कियत है।

छात्रों को नौकरी मेलों, विश्वविद्यालयों में विशिष्ट दौरों और अखबारों के विज्ञापनों के जरिये भर्ती किया जाता है। उदाहरण के लिए वाशिंगटन विश्वविद्यालय के छात्र अखबार *द डेली* ने हाल में वित्तीय सेवाएं देने वाली फर्म अर्नस्ट एंड यंग का तीन चौथाई पृष्ठ का विज्ञापन छापा है, ''हम अर्नस्ट एंड यंग में उद्योग की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं से सीखने का मौका दे रहे हैं। परिसर में हमसे मिलिए या हमारी वेबसाइट पर विवरण देखिए।'' कॉर्नेल विश्वविद्यालय से हाल में ही ग्रेजुएट हुए आलोक चनानी कहते हैं कि कारोबार को मुख्य विषय के तौर पर पढ़ने वाले उनके कई मित्र एक ऊर्जा कंपनी शेवरन और एक बैंक जेपी मोरगन में प्रशिक्षु के रूप में जाना चाहते थे। इनके लिए कई लोग प्रतिस्पर्धा में थे। चनानी कहते हैं, ''कंपनियों को ऐसे लोग चाहिए जिनके पास ठोस जीपीए और साक्षात्कार कौशल हो।'' चनानी अभी अपने रेस्टोरेंट की फ्रेंचाइज चला रहे हैं। ''वे श्रेष्ठ कालेजों से ही छात्रों को लेते हैं। वे उस तरह का कर्मचारी तलाशते हैं जो पहले ही दिन से कंपनी चला सकें।''

मानव संसाधन प्रबंधक कहते हैं कि इन कार्यक्रमों को चलाना महंगा है लेकिन अंत में प्रशिक्षुओं की भर्ती से लाभ होता हैं। लारसन कहते हैं, ''यह होटलों के लिए निवेश है। हालिया ग्रेजुएट निश्चित तौर पर लागत में आते हैं क्योंकि

मूल लेख हाय इंटरनेशनल में प्रकाशित

अल गोल्डीस © ए. पी. डब्ल्यू. डब्ल्यू. पी.

ऊपर: अंशकालीन नौकरी के जरिये नौकरी का अनुभव जुटाती छात्राएं- लैंसिंग के गिब्सन बुक स्टोर में एशले थीस (दाएं) मेघन वान विंगेन को पुस्तकें देती हुईं।

बाएं : जनवरी 2006 में यूनिवर्सिटी ऑफ फ्लोरिडा, गेन्सविले में नौकरी के लिए आयोजित मेले में कंपनियों के आला अधिकारी और छात्र।

वे 100 प्रतिशत कार्य-प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं। लेकिन यह भविष्य के लिए अभी निवेश की जाने वाली लागत है।''

दूसरा फायदा यह है कि अगर कोई ठीक-ठाक नहीं काम करता, तो कंपनियों की तरफ से कोई प्रतिबद्धता नहीं होती। ओहायो युनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ बिजनेस के कार्यकारी ग्रेजुएट शिक्षा के निदेशक एड योस्ट कहते हैं, ''अगर मैं आपको शिक्षा संस्थान से लेता हूं, तो मैं आपको एक कर्मचारी के तौर पर लेता हूं, लेकिन अगर यह प्रशिक्षण कार्यक्रम है तो सबको पता है कि यह छह महीने में खत्म हो जाएगा। और चाहे जितना लंबा हो, आप आसानी से कह सकते हैं कि आने के लिए धन्यवाद। आप यहां रहे, अच्छा लगा।''

कंपनियों को पता है कि उन्हें शुरुआती स्तर के प्रबंधक चाहिए। यह उन्हें लाने का श्रेष्ठ तरीका है और यह छात्रों के लिए कारोबार की वास्तविक दुनिया देखने का तरीका है। हैंबर्ग, न्यूयॉर्क के हिलबर्ट कॉलेज के बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग की अध्यक्ष लिंडा बर्नस्टीन कहती हैं, ''प्रबंधन प्रशिक्षु कार्यक्रम छात्रों के लिए एक मौका है कि वे यहां आएं और अपने को सिद्ध करें।'' कुछ छात्रों के ग्रेजुएट होने के बाद कंपनी में मिलने वाले काम को लेकर बड़े-बड़े सपने होते हैं। वे सोचते हैं कि एक झटके में वे मुख्य कार्यकारी अधिकारी होने जा रहे हैं। उनके लिए सच्चाई जानने का यह अच्छा तरीका है।'' □

हर बच्चे को बढ़िया शिक्षा

अप्रैल में भारत यात्रा पर आई अमेरिकी शिक्षामंत्री मार्गरेट स्पैलिंग्स ने अमेरिका के 'नो चाइल्ड लेफ्ट बिहाइंड' कानून के बारे में बताते हुए कहा, ''हमने खुद को 2014 तक एक-एक बच्चे को पढ़ने और गणित में शिक्षित करने के लिए खुद को जबावदेह बनाने का संकल्प लिया है।'' 13 अप्रैल को फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स को संबोधित करते हुए स्पैलिंग्स ने कहा कि भारत और अमेरिका दोनों ही मानते हैं कि शिक्षा लोकतंत्र, आर्थिक और नागरिक विकास का आधार है। ''हमारा विश्वास साझा है, हमारे सामने चुनौती भी साझी है- हर बच्चे के लिए उत्कृष्ट शिक्षा उपलब्ध करवाना हमारे भविष्य के लिए परम आवश्यक है।''

वायोमिंग के सीनेटर माइकल बी एंजी के नेतृत्व में आए कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल के साथ स्पैलिंग्स दिल्ली की छह झोंपड़बस्तियों के बच्चों को अनौपचारिक माहौल में कंप्यूटर का उपयोग सिखाने वाली एक परियोजना को देखने गईं। अमेरिकन एंबेसी स्कूल, अमेरिकन वीमेन्स एसोसिएशन, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी और स्वयंसेवी संगठन दिशा द्वारा प्रायोजित *होल इन द वाल* नाम की परियोजना में बच्चे विंडोज प्रोग्राम का इस्तेमाल, फाइलों को बनाना और सुरक्षित रखना, शैक्षणिक सॉफ्टवेयर, इंटरनेट और ई-मेल का इस्तेमाल सीखते हैं।

स्पैलिंग्स ने कहा, ''हमारे देश में 'अचीवमैंट गैप' -ऊंची शिक्षा तक पहुंच रखने वालों और उस तक न पहुंच पाने वालों के बीच की खाई - एक समस्या है।'' राष्ट्रपति बुश की सहायक के तौर पर उन्होंने 'नो चाइल्ड लेफ्ट बिहाइंड' कानून की रूपरेखा तैयार करने में हाथ बंटाया था। उन्होंने कहा कि इस कानून के तहत 'हम हर साल, हर बच्चे की पढ़ाई और गणित में प्रगति को मापेंगे और इस पर कड़ी निगाह रखेंगे। हम बच्चों के हर समूह, एक-एक बच्चे के प्रदर्शन के लिए जिम्मेदार होंगे। हमने लंबे अर्से तक सभी छात्रों के अंकों के औसत की आड़ में अपने सबसे कमजोर छात्रों के अंकों की अनदेखी की है। अब हम खुद को हर छात्र की उपलब्धियों के लिए उत्तरदायी मान रहे हैं। जब विद्यालय इन पैमानों पर खरे नहीं उतरते तो हम माता-पिता को विकल्प सुझाते हैं- अपने बच्चों को बेहतर विद्यालयों में भेज दें या ट्यूशन या छुट्टी के बाद लगने वाली कक्षाओं के माध्यम से उनके लिए अतिरिक्त सहायता जुटा लें।'' **–एलकेएल**

शिक्षामंत्री मार्गरेट स्पैलिंग्स और सीनेटर माइकल बी. एंजी 13 अप्रैल को नई दिल्ली में अमेरिकन एंबेसी स्कूल में। उन्होंने वहां झुग्गियों में रहने वाले बच्चों के लिए चलाए जा रहे कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम को देखा।

विकास नरूला